अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : अप्रैल-मई 2022

परीक्षा का नाम : विशारद प्रथम (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : तबला / पखावज

दि. 19/06/2022 समय : 3 घंटे (दोपहर : 2 से 5) कुल अंक : 75

सूचना : 1) कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए ।
2) सभी प्रश्न के अंक समान है ।

प्र.1 अ) सही जोडियाँ बनाएँ । (5)

अ	ब
1) अध्धा – पंजाबी	1) पखावज
2) गत	2) ठुमरी
3) दीपचंदी	3) तीन काल
4) आडा चौताल	4) तबला
5) आदेशी परन	5) समान मात्राओं के ताल

ब) निम्नलिखित विधानों मे से सही या गलत बतलाकर गलत को सही कर के लिखें । (5)

1) लखनौ घराना यह खुले बाज का आद्य घराना है ।
2) धमार गायन संगति हेतु धमार ताल का उपयोग होता है ।
3) फरमाईशी चक्रदार में कुल 27 'धा' होते है ।
4) 'संवादिनी' सुषिर वाद्य नहीं है ।
5) कथ्थक नृत्य की शुरुआत 'आमद' से होती है ।

क) रिक्त स्थानों की पूर्ति करें । (5)

1) 14 मात्रा ताल की तिगुन का एक भाग ..... मात्राओं का होता है ।

2) 7 मात्रा ताल की चौगुन का एक भाग ..... मात्राओं का होता है ।

3) 15 मात्रा ताल की चौगुन का एक भाग ..... मात्राओं का होता है ।

4) 16 मात्रा ताल की तिगुन का एक भाग ..... मात्राओं का होता है ।

5) 10 मात्रा ताल की तिगुन का एक भाग ..... मात्राओं का होता है ।

प्र. 2 'तबला/पखावज का आदर्श रियाज' के बारें में (15)
अपने विचार विस्तृत लिखें तथा रियाज की आदर्श बोलपंक्तियाँ लिखें ।

प्र. 3 तबला/पखावज के सभी घरानों के नाम लिखकर (15)
कोई एक घरानें की संपूर्ण जानकारी वादन शैली तथा वादन विशेषता के साथ सोदाहरण समझाइयें । उस घराने के दो विद्वान कलाकारों के नाम लिखिये ।

प्र. 4 निम्नलिखित में से कोई दो वादकों का $(7\frac{1}{2}+7\frac{1}{2}=15)$
जीवन परिचय और सांगीतिक योगदान बताकर उनके दो–दो शिष्यगण के नाम लिखें ।

1) उ. शलारी खाँ
2) पं. माधवराव अलगुटकर
3) उ. इनामअली खाँ
4) पं. सखारामजी गुरव
5) पं. कंठे महाराज
6) पं. पुरुषोत्तम दास

प्र. 5 **निम्नलिखित अनुसार लिपिबध्द करें । (कोई तीन)** **(15)**

1) 16 मात्रा ताल में बेदम तिहाई ।

2) 10 मात्रा ताल में एक गत/गतपरन ।

3) किसी भी ताल में एक नौहक्का ।

4) किसी भी ताल में एक घरानेदार पारंपारिक बंदिश
(विद्वान कलाकार के नाम के साथ) ।

5) 14 मात्रा ताल की तिगुन और चौगुन
(पं. पलुस्कर तालिपि में) ।

प्र. 6 **'शास्त्रीय गायन साथसंगत' के बारे में अपने विचार विस्तृत** **(15)**
लिखकर संगति के लिए उपयुक्त ठेके को लिपिबध्द करें ।

प्र. 7 **रेला और गत इन दोनों का एकल तबलावादन में स्थान** **(15)**
और महत्व सोदाहरण स्पष्ट करें ।

अथवा

रेला और गतपरन इन दोनों का एकल पखावजवादन में स्थान
और महत्व सोदाहरण स्पष्ट करें ।